प्रेस विज्ञप्ति

दिनॉक 04/12/2017

बायोकेमिस्ट्री विभाग, किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय उ0प्र0, लखनऊ द्वारा 44वें भारत के एशोसेशियन आफ क्लीनिकल बायोकेमिस्ट्स का राष्ट्रीय सम्मेलन (ए0सी0बी0आई0कान0 2017) का उद्घाटन प्रो0 एम0एल0बी0 भट्ट, मा0 कुलपति, किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय उ0प्र0, लखनऊ द्वारा चिकित्सा विश्वविद्यालय के सांइसटफिक कन्वेन्शन सेंटर में किया गया

समारोह का उद्घाटन संयुक्त आयोजन सचिव डा0 शिवानी पाड़ेय स्वागत समारोह के साथ शुरू हुआ। उन्होने सभा में उपस्थित सभी मेहमाने एवं प्रतिनिधियों का स्वागत किया और कहा कि यह गर्व का विषय है कि लखनऊ में पहली बार राष्ट्रीय सम्मेलन (ए0सी0बी0आई0कान0 2017) का आयोजन किया जा रहा है।

डा0 आर0आर0 सिन्हा, विभागाध्यक्ष, बायोकेमिस्ट्री विभाग, नालंदा मेडिकल कालेज, पटना और वर्तमान सचिव ए0सी0बी0आई ने पिछले एक साल के दौरान होने वाली महत्वपूर्ण घटनाओं पर प्रकाश डालने वाली की वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की।

ए0सी0बी0आई0 सचिव डा0 पूर्णिमा ए0 मांजरेकर, प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष, बायोकेमिस्ट्री विभाग, मणिपाल मेडिकल कालेज, मणिपाल (कर्नाटक) ने अपने वक्तव्य में कहा कि ऐतिहासिक शहर लखनऊ में वर्तमान और उभरते हुए विषयों एवं नए क्षेत्रों का पता लगाने और व्यावसायिक सेवाओं की गुणवत्ता बढाने के बारे में चर्चा करना बहुत ही महत्वपूर्ण है। उन्होंने कार्यक्रम के उत्कृष्ट संचालन के लिए प्रो0 अब्बास अली महदी, आयोजन सचिव, ए0सी0बी0आई0कान0- 2017 को बधाई दी और कहा कि पहले ही सुना था कि प्रो0 अब्बास एक बहुत अच्छे मेजबान है।

प्रो0 मोर्रिजियों फेरारी, इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ क्लिलिकल के मिस्ट्स एंड प्रो0 ऑफ क्लिलिकल पैथोलोजी, विश्वविद्यालय वीटा सलामी सान राफेले निदेशक, क्लीनिकल मालीक्यूलर बायोलोजी और साइटोजनेटिक्स प्रयोगशाला ने मानव रोग विज्ञान के निदान के लिए जीनोमिक यूनिट के प्रमुख, जेनेटिक्स और सेल की डिवीजन अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त उच्च आल्टिट्यूड मेडिसिन स्पेशलिस्ट और प्रोफेसर हॉवर्ड मॉरिस, सचिव- इलेक्ट्रीयल ऑफ क्लिनीकल केमिस्ब्स एंड मेडिकल के प्रो0, वाइस चांसलर जुबिएटा युनिवर्सिटी, डा0 गुसतावों जुबिएता-कल्लेजा, जीव विज्ञान, आई.आर.सी.सी.एम. सैन राफेले, मिलान, इटली ए0एस0 पैथोलोजी , एलिलेड, ऑस्ट्रेलिया के रसयान विज्ञान में ुर्मेसी और मेडिकल साइंसेज के स्कूल, दक्षिण ऑस्ट्रेलिया विश्वविद्यालय और मालीक्यूलर वैज्ञानिक में विज्ञान, सम्मान के अतिर्थि के रूप में उद्घाटन समारोह में उपस्थित थे। एक उत्कृष्ट और अभिनव वैज्ञानिक कार्यक्रम के आयोजन के लिए उन्होने प्रो0 ए0ए0 महदी को बधाई दी।

उद्घाटन समारोह में प्रो0 अब्बास अली महदी ने ए.सी.बी.आई. के नए सचिव के रूप में पदभार ग्रहण किया। ए0सी0बी0आई0 के वर्तमान सचिव डा0 पूर्णिमा ए0 मांजरेकर ने प्रो0 प्रभार सौप दिया। पदभार को स्वीकार करते हुए प्रो0 महदी ने कहा कि वह इस प्रतिष्ठित पद को ग्रहण करने के लिए उन्हे सम्मानित किया गया, जिसपर पहले भारत में मेडिकल बायोकेमिस्ट्री के दिग्गजों का कब्जा था। उन्होंने कहा कि वह अपनी जिम्मेदारी से अवगत हैं और एसोसिएशन के माननीय सदस्यों की उम्मीदो के लिए वह उनके स्तर पर सर्वश्रेष्ठ प्रयास करेंगे।

किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय उ0प्र0, लखनऊ के मा0 कुलपति, प्रो0 एम0एल0बी0 भट्ट, जो इस अवसर के मुख्य अतिथि थें ने ए0सी0बी0आई0कॉन0 2017 सोवेनियर और पुस्तक '' फाइटोकैमिस्ट्री एण्ड फार्माकोलॉजी आफ मेडिसिनल हर्बल'', ''मालीक्यूलर बायोलोजी एण्ड फार्मेकोकॉग्निज आफ फायनांशियल प्लांट्स'', हर्बल मेडिसिन एंड मॉडर्न ड्रग डिस्कवरी'', '' बायोकेमिस्ट्री एण्ड किचकित्सीय यूज ऑफ मेडिनिलन प्लान्ट'' और '' बायोमेडिकल सांइस एण्ड हर्बल मेडिसिन जिनका संपादन प्रो0 अब्बास अली महदी, आयोजन सचिव, ए0सी0बी0आई0कान0- 2017 ने किया।

ए0सी0बी0आई0कान0- 2017 आयोजन समिति ने पूर्व विभागाध्यक्ष, बायोकेमिस्ट्री विभाग को उनके मेडिकल बायोकेमिस्ट्री के क्षेत्र मे उनके योगदान की सराहना की।
प्रतिभागियों को संबोधित करते ुए हुए मुख्य अतिर्थि प्रो0 एम0एल0बी0 भट्ट ने इस तरह के आयोजन के लिए आयोजन समिति को बधाई दी। उन्होने कहा कि सम्मेलन की अनूठी विशेषता तीन प्री-कान्फरेंस वर्कशाप है जो 3 दिसम्बर, 2017 को ए0सी0बी0आई0कॉन- 2017 में आयोजित की गई। जहॉ 40 से अधिक शोध पत्र प्रकाशित किए जा रहे हैं जो एक बड़ी उपलब्धि हैं। उन्होने आगे कहा कि यह एकमात्र विभाग है जिसमे एक रेफरल के तहत लेड विषाक्तता के लिए नेशनल रेफरल सेंटर के अतिरिक्त मालीक्यूलर सेल बायोलोजी लैब, सेल कल्चर, फ्री रेडिकल रिसर्च एवं मेटल टॉक्सीसिटी और नेचुरल प्रोडेक्ट रिसर्च प्रयोगशालये है।

समारोह के अंत में डा0 दिलउत्पल शर्मा, संयुक्त सचिव, ए0सी0बी0आई0कानॅ0- 2017 ने सभा में उपस्थित सभी का धन्यवाद किया। उन्होने प्रतिष्ठित मेहमानों और प्रतिनिधियों को धन्यवाद दिया। उन्होंने विशेष रूप से प्रेस, मीडिया और कॉर्पोरेट सदस्यों को धन्यवाद दिया।

ACBICON 2017
44th National Conference of
Association of Clinical Biochemists of India
Theme :
Emerging Trends in Clinical Biochemistry : From
Evidence Based Medicine to Molecular Medicine
3rd - 6th December, 2017
Scientific Convention Centre, King George's Medical University, Lucknow

ON 2017
l Conference of
cal Biochemists of India
Theme :
Clinical Biochemistry : From
icine to Molecular Medicine
versity, Lucknow